

श्री सुशील दोषी

Shri Sushil Doshi



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

श्री सुशील दोषी

श्री सुशील दोषी खेल कमेंट्री के क्षेत्र में पिछले 48 वर्षों से सर्वाधिक सम्मानित नाम है। आपने अपनी जादुई आवाज की गुणवत्ता, भाषा पर पुरजोर पकड़ और खेल की जानकारी के साथ साधारण सुबोधगम्य और दिल को छू लेने वाली हिन्दी भाषा में खेल कमेंट्री करते हुए देश के कोने–कोने में खेलों का प्रचार किया है तथा उन्हें लोकप्रिय बना दिया है।

2. आपका जन्म 09 जून,1947 में हुआ। आपने अपनी इंजीनियरिंग की स्नातक डिग्री 1968 में जीएसआईटीएस, इन्दौर से पूरी की। 1968 से पहले, कोई भी यह विश्वास करने को तैयार नहीं था कि क्रिकेट की कमेंट्री अंग्रेजी के अतिरिक्त अन्य किसी भाषा में भी की जा सकती है। आपने इस चुनौती को स्वीकार किया तथा हिन्दी में कमेंट्री प्रारम्भ किए जाने में अपनी अहम भूमिका अदा की। आप हिन्दी कमेंट्री के आधार स्तम्भों में से एक हैं। आपने इसके लिए शब्दों की रचना की और एक शब्दावली तैयार की। आपने हिन्दी कमेंट्री के लिए उसकी शैली और अर्थों के बारे में बताया। आपने 400 से अधिक मैचों (टेस्ट मैच के साथ–साथ एक दिवसीय और टी–20 मैचों के साथ) में हिन्दी भाषा में कमेंट्री की है।

3. आप आकाशवाणी के साथ–साथ दूरदर्शन के लिए हिन्दी में कमेंट्री करने के मकसद से आस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका, यूएसए, सिंगापुर तथा हांगकांग का दौरा कर चुके हैं। आप हिन्दी में उन दूरदर्शन कमेंट्रीकर्ताओं में से एक हैं जिन्होंने नौ बार विश्वकप–पाँच बार 50 ओवर के विश्वकप और चार बार टी–20 विश्वकप मैचों में हिन्दी में कमेंट्री की है। आप देश के शीर्ष खेल लेखकों में से भी एक है। आपने 8 पुस्तकें लिखी है और एक वर्ष तक खेलयुग खेल पत्रिका का सम्पादन कार्य किया है।

4. आपको अनेकों पुरस्कारों और सम्मानों से सम्मानित किया गया है। हिन्दी खेल कमेंट्री के क्षेत्र में आपके द्वारा दिए गए योगदान के लिए मध्य प्रदेश राज्य सरकार द्वारा आपको 2005 के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्रदान किया गया। आपको 1979 में अखिल भारतीय जेसीज द्वारा देश के दस उत्कृष्ट युवा व्यक्तियों में से एक चुना गया था। स्पोर्ट्स टाइम्स ने आपको "खेल रत्न" से सम्मानित किया है। आपको 1992 से 1996 तक स्टेट बैंक ऑव इन्दौर जो कि एक राष्ट्रीकृत बैंक है, के बोर्ड के निदेशक के तौर पर मनोनित किया गया था। "अहा मध्य प्रदेश" पत्रिका ने आपको मध्य प्रदेश की 100 ऑल टाइम ग्रेट पर्सनलिटीज में चुना है। आपको भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के सदस्य के तौर पर भी नामित किया गया था। आप उस समय इतिहास का एक हिस्सा बन गए जब अन्तरराष्ट्रीय होल्कर स्टेडियम के कमेंटेटर बॉक्स का नाम आपके नाम पर रखा गया। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में यह पहला तथा ब्रियान जॉन्स्टन (ओवल, लन्दन) और उमर कुरेशी (गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर) के पश्चात् विश्व में तीसरा अवसर है।

Shri Sushil Doshi

Shri Sushil Doshi is the most respected name In the field of sports commentary for the last 48 years. He served in propagating and popularizing sports to every nook & corner of the country with his magical voice quality, command over the language & knowledge of the game in simple, lucid & heartfelt sports commentary in Hindi.

2. Born on June 9, 1947 Shri Sushil Doshi did his Bachelor of Engineering degree from G.S.I.T.S. Indore in 1968. Before 1968, nobody was ready to believe that cricket commentary can be done in any language other than English. He took up this challenge & played a major part in establishing the Hindi Commentary. He is one of the foundation stones of Hindi commentary. He coined words & made terminology. He imparted style & substance to Hindi commentary. He has done Hindi commentary of more than 400 matches (Test matches as well as ODIs and T-20 matches).

3. Shri Doshi toured Australia, Pakistan, England; Sri Lanka, South Africa, U.S.A., Singapore & Hongkong for Hindi commentary for All India Radio as well as television. He is one of the first Hindi T.V. commentators to have commented on nine world cups- five 50 over world cups & four T-20 World cups. He is also one of the top sports writers of the country. He wrote 8 books & edited sports magazine Khelyug for one year.

4. Shri Doshi has been conferred with many awards and honours. Life Time Achievement Award for 2005 was conferred by M.P. state Government for his contribution to the field of Hindi sports commentary. He was chosen one of the ten outstanding young persons of the country by All India Jaycees in 1979. Sports Times conferred "Khel Ratna" Award on him. He was nominated as a Director on the board of State Bank of Indore (A Nationalized Bank) from 1992-1996."Aha Madhya Pradesh" magazine chose him among 100 all time great personalities of Madhya Pradesh. He was also nominated as a member of Hindi Salahkar Samiti of Ministry of commerce & industry of Govt. of India. He became part of history when commentator box at the International Holkar Stadium was Named after him: This is the first instance in the history of Indian cricket & third in the world after Brian Johnston (At the oval, London) & Omar Qureshi (Gaddafi Stadium, Lahore).